



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY.

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्रतिष्ठान से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 26, 1986/पाँच 5, 1908

No. 26]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 26, 1986/PAUSA 5, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 की (1)  
के अधिन सूचनाएं

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1986

निर्देश सं. आई.ए.सा./एक्यू ०/37ईई/3-86/1742:—अतः मुझे, श्री एस सी गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं. 3, तीसरा खंड, 737 वर्ग, फीट, कम्युनिटी सेंटर, प्रीत बिल्डर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 6 नई दिल्ली में भारतीय राजस्वोत्पत्ति अधिनियम, 1908 (1908 का 16) / 1961 के अधीन जारी माच 1986 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए प्रोत्साहित है
- (ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स पंकज एंटरप्राइजिस,  
ई-301, ईस्ट फाक कैलाश, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री पंकज गुप्ता, मैरिज ट्रस्ट  
13, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली । (अन्तरित)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

737 वर्ग फीट, तीसरा बंड, प्रियोजन बिल्डिंग,

प्लॉट नं. 3, कम्युनिटी सेंटर

प्रीत विहार, दिल्ली।

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

## NOTICES UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 24th December, 1986

Ref. No. IAC/Acq. VI/37EE/3-86-1742.—Whereas I, S.C. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein-after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Community Centre, Preet Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
B-301, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

2. Pankaj Gupta Marriage Trust  
13, Community Centre,  
New Friends Colony New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the official gazet-  
te.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"737 sq. ft. area on IIIrd floor in the proposed building at Plot No. 3, Community Centre, Preet Vihar, Delhi."

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू 6/37ईई/3/86/1736:—अतः मु.सो.जी.ए.सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम') कहा गया है की धारा 269-क के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं. 3 कम्युनिटी सेंटर, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 6, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मार्च 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल से पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों पर कार्य:—

1. मैसर्स पंकज इंटरप्राइजिस

ई-301, ईस्ट काफलाश, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मिस पूनम गुप्ता ई-301, ईस्ट काफ कौलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रत्येक;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अब 470 वर्ग फीट 1, प्रथम बंड, 1 प्रीपोज्ड बिल्डिंग प्लॉट नं. 3, कम्युनिटी सेंटर, प्रेत विहार, दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37EE-3-86-1736.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Community Centre, Preet Vihar, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

2. Miss Poonam Gupta E-301, East of Kailash  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-over period expires later;

(b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"470 sq. ft. area on 1st floor in the proposed building at Plot No. 3, Community Centre, Preet Vihar, Delhi".

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /8/37EE/3-86/1747:—अतः मुझे, श्री एस. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन तत्काल अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या— है तथा जो प्लॉट नं. 3, प्रीत विहार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण) अर्जन रेंज 8 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मार्च 1986 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अशोहम्नाक्षरी (अन्तरिती) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या इन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित:—

1. मेसर्स पंकज एंटरप्राइजेस

ई-301, ईस्ट काफ कौलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री पंकज गुप्ता, ई-301 ईस्ट काफ कौलाश, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाम्य सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्वय 20-क में दया परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"873 वर्ग फीट, प्रोस्टा बंग,  
प्रोस्टा विहार, प्लॉट नं. 3,  
प्रोस्टा विहार, दिल्ली।

Ref. No. IAC/Acq. VI/37BE/3-86/1747-Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, situated at Preet Vihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi VI on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

1. M/s. Pankaj Enterprises  
E-301, East of Kallash,  
New Delhi.

(Transferor)

2. Sh. Pankaj Gupta, E-301, East of Kallash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later.
- by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"873 sq. ft. on 3rd floor in the proposed building at Plot No. 3, Preet Vihar, Delhi."

निर्देश सं. आई. ए. सी./एम्. /8/57BE/3-86/1747.—वत: मुझे, श्री एच. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन समान अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि (स्वाम्य, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 3, है तथा जो प्रोस्टा विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के आयकर, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 6, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मार्च 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैसर्स पंकज एंटरप्राइसिस (अन्तरक)  
E-301, ईस्ट ऑफ कल्लाश, नई दिल्ली।
- श्री पंकज गुप्ता और/वा, (अन्तरितों)  
सी-422, मिर्साच विहार, दिल्ली।

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यग् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होता हो, के अंतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यहाँ भर्ष होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

“702 वर्ग फीट क्षेत्र, प्रथम खंड, प्रोपोज्ड बिल्डिंग  
प्लॉट नं० 3, प्रीत विहार, कम्युनिटी-सेंटर,  
नई दिल्ली।

तारीख : 24-12-86

मोहर :

ए. सी. गुप्ता, सक्षम अधिकारी

Ref. No. IAC/Acq. R- VI/37EE/3-86/1748.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing Plot No. 3, Preet Vihar, Community Centre, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been regd. in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi on March 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely—

M/s. Pankaj Enterprises  
B-301, East of Kailash  
New Delhi.

(Transferor)

Miss Poonam Gupta, Marriage Trust, C-422, Nirman Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

“702 sq. ft. area on 1st floor in the proposed building at Plot No. 3, Preet Vihar, Community Centre, Delhi”.

Dated 24th Dec. 1986.

S. C. GUPTA, Competent Authority

